वास्तु दीप माला विषय सूची

क्र.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	क्या है वास्तु	1
	♦ वास्तु के बारे में	
	♦ वास्तु एवं वास्तु पुरुष	
	♦ परमशायिक 81 पद वास्तु समरांगण सूत्रधार के अनुसार	
2.	वास्तु शास्त्र में पंचमहाभूत	7
	♦ पंचमहाभूत	
	♦ पंचमहाभूतों के गुण	
	♦ तत्व मैत्री	
	♦ पंचतत्व सिद्धांत	
	♦ पंचतत्व गुणधर्म	
	♦ पंचतत्व धातुएं	
	♦ पंचतत्व बैलेंसर	
	♦ तत्व व इन्द्रियाँ	
3.	वास्तु शास्त्र में दिशाओं का महत्त्व	17
	♦ वास्तु चक्र (16 दिशा क्षेत्र)	
	♦ दिशाओं की विशेषताएं	
	♦ भूखण्ड़ के दिशा क्षेत्र	
	♦ वास्तु चक्र में पंचतत्व	
	♦ दिशाओं के 16 क्षेत्र का सम्पूर्ण ज्ञान	
	♦ कौन–सा स्थान आपके लिए सही रहेगा, इसका चयन कैसे करें।	
	♦ मकान के लिए दिशा का चुनाव	
	♦ 16 क्षेत्र के गुणधर्म के अनुसार आप प्रोफेशन को अपना सकते हैं।	
	♦ टी–पॉइंट वाला मकान	

- वास्तु–दिग्दर्शन

4. कोणों के कटान और विस्तार/ब्रह्म–स्थान 35

- कोणों का विस्तार
- भूखण्ड़ की लम्बाई या चौड़ाई का विस्तार
- ब्रह्म–स्थान का ज्ञान
- भूखण्ड़ की आकृतियों के फल

5. वास्तु चक्र में उपस्थित 45 देवी–देवता 43

- वास्तु चक्र
- एक–पदिय देवी–देवता
- मध्यस्त कोंणों के 8 द्विपदिय देवी–देवता
- 4 मुख्य षष्ठपदिय देवी–देवता
- प्रमुख नवपदिय देवता
- वास्तु मण्डल के बाह्य (बाहरी) देवगण
- रेखा मंड़ल
- पश्चिम से पूर्व की ओर आड़ी रेखाएं
- दक्षिण से उत्तर की ओर आड़ी रेखाएं
- वास्तु चक्र में देवगण
- वास्तु पुरुष के शरीर के अंगो पर देवताओं का वास

6. नींव स्थापना 55

- नींव स्थापना का विधान
- नींव स्थापना (गृहारंभ) से पूर्व
- चयनित भूमि का शल्योद्धार
- नींव खुदाई– खात चक्र–गृहारंभ
- शिलान्यास (नींव स्थापना)
- शिला या ईंटों की संख्या
- मंजूषा स्थापना विधान
- मंजूषा और वास्तु देवता

- अन्य ध्यातव्य बिंदु
- नींव स्थापना एवं वर्ण विचार
- नींव स्थापना एवं देव मंदिर विचार

7. वास्तु के अनुसार आवासीय भवन में कक्षों का निर्माण 67

- आवासीय भवन में कक्षों के निर्माण का विवरण
- आज के सन्दर्भ में भवन निर्माण की समीक्षा
- दिशाओं की प्रकृति एवं उसके गुणधर्मो का अधिकतम उपयोग
- शुभ एवं अशुभ ऊर्जा
- खिड़की झरोखा/बरामदा
- कुआँ, बोरिंग एवं भूमिगत टंकी
- सैप्टिक टैंक
- भवन निर्माण में वास्तु की कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारी
- आठों दिशाओं में भवन के ऊँचा/नीचा होने का फल
- कुछ जानने योग्य तथ्य
- भवन निर्माण में वास्तुदोषों का समाधान

8. गृहप्रवेश का मुहूर्त 89

- वास्तु ग्रंथों में गृह प्रवेश
- नूतन गृह प्रवेश
- नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त
- कलश (कुम्भ) चक्र
- वामरवि विचार
- जीर्ण (द्वन्द) गृहप्रवेश मुहूर्त
- गृह प्रवेश की विधि

9. वास्तु पूजन 93

- वास्तु कर्म में कर्मकांड़ कब ?
- एकाशिति (81) पद वास्तु मंड़ल
- गृह प्रवेश

- जीर्णोद्धार
- वास्तु देवताओं के निमित्त बलि हेतु सामग्री

10. वास्तु दोष निवारण के सरल उपाय 105

- वास्तु दोष निवारण के 10 सूत्र
- भवन के तोड़–फोड़ से वास्तु दोष एवं निवारण
- वास्तु दोष के निवारण के लिए सहज एवं सरल 10 उपाय
- उपरोक्त 11 सुत्रीय कार्यक्रम के अतिरिक्त निम्न उपाय भी करें
- घर में यदि कोई सदस्य दीर्घकाल से बहुत बीमार है, निम्न प्रयोग अपना कर देखें
- आवासीय भवन और कारखाना
- घर के शांतिपूर्ण वातावरण के लिये
- नमक से वास्तुदोष निवारण
- टोना टोटका से निजात के उपाय
- घर के लिये ऋण कब लें, कब लौटाएँ
- कोर्ट केस की फाइलें कहाँ रखें।

11. 16 दिशाओं में घरेलु सामान का परिणाम (आधुनिक वास्तु) 125

- प्रार्थना कक्ष का स्थान
- हीटर का स्थान
- स्टड़ी टेबल का स्थान
- लेपटॉप/कंप्यूटर का स्थान
- रसोई घर का स्थान
- इर्न्वटर का स्थान
- शौचालय का स्थान
- बेड़रूम का स्थान
- टेलीविज़न का स्थान
- स्टोर रूम का स्थान
- कूड़ेदान का स्थान
- ड्राइंग रूम का स्थान

- वाशिंग मशीन का स्थान
- सीढ़ियों का स्थान
- क्रोकॅरी कैबीनेट का स्थान
- एक्वेरियम के लिए उत्तम स्थान
- बार के लिए उत्तम स्थान

12. 45 देवी–देवताओं का वर्णन 141

- वास्तु चक्र (शक्ति चक्र)
- एकपदीय देवताओं का वर्णन
- मध्यस्त कोणों के द्विपदीय देवताओं का वर्णन
- मध्यस्त के षष्ठपदीय देवताओं का वर्णन
- ब्रह्म–स्थान (नवपद देवगण) में ऊर्जा का महत्त्व
- नवपद देवगण
- क्या हैं ब्रह्म–स्थान
- ब्रह्म–स्थान के लाभ
- ब्रह्म–स्थान में है, आपके घर का मर्म स्थान
- ब्रह्म–स्थान में क्या ना करें
- ब्रह्म–स्थान के दोष कैसे दूर करें
- ब्रह्म–स्थान दोष का असर–दुष्प्रभाव
- शेष का नाम व फल

13. कहाँ हो आपके घर का द्वार 177

- वास्तु चक्र (32 द्वार)
- 81 पद वास्तु
- 81 पद वास्तु में समस्त द्वारों से मिलने वाले विशेष परिणाम
- द्वारों के गुण–दोष
- वास्तुमण्ड़ल के अनुसार द्वार
- रंगों के माध्यम से द्वारों को संतुलित कैसे करें
- देवता या द्वार की ऊर्जा को अवरूद्ध (ब्लॉक) कैसे करे

- वर्चुअल एंट्री कैसे खोलें
- उत्तर दिशा में संभावित प्रवेश द्वारों की स्थिति एवं उनके प्रभाव
- पूर्व दिशा में संभावित प्रवेश द्वारों की स्थिति एवं उनके प्रभाव
- दक्षिण दिशा में संभावित प्रवेश द्वारों की स्थिति एवं उनके प्रभाव
- पश्चिम दिशा में संभावित प्रवेश द्वारों की स्थिति एवं उनके प्रभाव

14. वास्तु के अनुसार क्षेत्रों को संतुलित करना 195

- वास्तु चक्र प्रतीक चिन्हों सहित
- प्रतीक चिन्हों व रंगो के अनुसार रेमेड़ीज
- दिशाओं में वास्तु अनुसार पंच–महाभूतों का संबंध
- क्षेत्र को संतुलित करना
- दिशा शूल
- कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य
- ऊर्जा संतुलन
- कॉइन एवं स्प्रींग को कैसे इस्तेमाल करें
- रसोई घर उपाय
- शौचालय उपाय

15. लागू की गई वास्तु योजनाएं 207

- केस स्टड़ी (उदाहरण)